an>

Title: Need to construct railway line on Jhalawar−Ujjain and Dewas−Bhopal sectors-Laid.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): वर्ष 2009-2010 के प्रस्तुत रेल बजट की मूल भावना यह थी कि बिना लाभ हानि को आधार बनाए अब उन क्षेत्रों में नई रेलवे लाइनों का विस्तार किया जायेगा, जो अनुसूचित जाति-जनजाति बाहुल्य क्षेत्र हैं। जहां लोगों को देश के सबसे सस्ते सुगम यातायात सुविधा का लाभ आज तक नहीं मिला। इस बजट से इन क्षेत्रों में विकास की गति देश के अन्य भागों की तुलना में आजादी के 60 वर्षो के बाद भी बहुत धीमी तथा न के बराबर है। ऐसे ही दो क्षेत्र 1. राजगंज मण्डी से झालावाड़ से सोयन से सुसनेर से आगर होते हुए उज्जैन, नई रेलवे लाइन डालने का सर्वे हो जाने के बाद भी आज तक कोई कार्य नहीं हुआ। 2. देवास से सोनकच्छ होकर आष्टा से सिहोर होते हुए भोपाल नई रेलवे लाईन की मांग वर्षो से की जा रही है। इस पर भी कोई कार्य नहीं हुआ, जो अत्यंत आवश्यक हे।